इलाहाबाद विश्वविद्यालय
सीनेट हाउस, प्रयागराज (उ.प्र.) -211002, भारत
(स्थापित 1887, केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
University of Allahabad
Senate House, Prayagraj (U.P.)-211003, India
(Established in 1887, Central University)

प्रो. (कर्नल) संगीता श्रीवास्तव
कुलपति

Prof. (Col.) Sangita Srivastava
Vice-Chancellor

14 सितंबर, 2026

आप सभी को 14 सितंबर, हिंदी दिवस के इस पावन और गौरवमयी अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं....

14 सितंबर का दिन केवल कैलेंडर की एक तारीख मात्र नहीं है। यह दिन हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, सांस्कृतिक धरोहर, सामूहिक चेतना और देश को एक सूत्र में पिरोने वाली उस भाषा का उत्सव है, जिसे हम 'हिंदी' कहते हैं। सन् 1949 में आज ही के दिन स्वतंत्र भारत की संविधान सभा ने सर्वसम्मति से हिंदी को देश की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था। यह निर्णय केवल एक भाषा का चुनाव नहीं था, बल्कि सदियों की औपनिवेशिक दासता से मुक्त हुए एक संप्रभु राष्ट्र द्वारा अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटने का एक दृढ़ संकल्प था।

भारत एक ऐसा देश है जहाँ कोस-कोस पर पानी और चार कोस पर बानी बदलने की अद्भुत परंपरा है। विविधताओं से भरे हुए इस देश में वैचारिक समन्वय और भावात्मक एकता स्थापित करने का जो अभूतपूर्व कार्य हिंदी ने किया है, वह अतुलनीय है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान, जब देश को एक साझी आवाज की जरूरत थी, तब महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, लोकमान्य तिलक और चक्रवर्ती राजगोपालाचारी जैसे महापुरुषों ने जिनमें से कई की मातृभाषा हिंदी नहीं थी हिंदी को राष्ट्रीय एकता का मुख्य आधार माना था।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारतीय भाषाओं में शिक्षा प्रदान करने पर विशेष बल दिया है। मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं में पढ़ना न केवल ज्ञान को अधिक सुगम बनाता है, बल्कि यह विद्यार्थियों की मौलिक सोच और नवाचार की क्षमता को भी पंख देता है। हमारा विश्वविद्यालय इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है कि हम ज्ञान-विज्ञान के गूढ़ सिद्धांतों, कंप्यूटर कोडिंग, कृत्रिम मेघा (एआई) और उन्नत तकनीकों को हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में अनूदित और मौलिक रूप से तैयार कर सकें, ताकि ज्ञान किसी भाषा की दीवारों में कैद न रहे।

आज के इस तकनीकी युग में हिंदी केवल साहित्य, कविता और कहानियों की भाषा नहीं रह गई है, बल्कि यह ज्ञान-विज्ञान, वाणिज्य और डिजिटल तकनीक की एक समर्थ भाषा बनकर उभरी है। आज इंटरनेट की दुनिया में हिंदी सामग्री की मांग और खपत सबसे तेजी से बढ़ रही है। दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालय आज हिंदी के महत्व को स्वीकार कर रहे हैं और वहाँ इसके अध्ययन-अध्यापन के केंद्र खुल रहे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि हिंदी में वैश्विक विमर्श का हिस्सा बनने की पूरी सामर्थ्य है।

मुझे युवा पीढ़ी से विशेष रूप से यह कहना है कि आधुनिक होना और अपनी जड़ों से जुड़े रहना, दो अलग बातें नहीं हैं। आप दुनिया की जितनी चाहें उतनी भाषाएं सीखें, भाषाएं ज्ञान के द्वार खोलती हैं। हिंदी आपकी रगों में बहने वाली संस्कृति की धड़कन है। जब आप कला, रंगमंच, लेखन या सोशल मीडिया पर हिंदी का रचनात्मक प्रयोग करते हैं, तो आप अपनी संस्कृति को समृद्ध कर रहे होते हैं।

मुझे यह जान कर प्रसन्नता हुई है कि पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी विश्वविद्यालय में राजभाषा अनुभाग द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु कार्मिक और विद्यार्थी केंद्रित अनेक आयोजन किये जा रहे हैं। राजभाषा अनुभाग हिंदी के विकास के लिए वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है। भाषा साहित्य, कला और संस्कृति के उन्नयन के लिए 'संकल्पना' पत्रिका और 'बरगद कला मंच के माध्यम से निरंतर प्रयास जारी है।

आइए, आज इस पावन अवसर पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने दैनिक संवाद, पत्र-व्यवहार, पठन-पाठन और चिंतन में हिंदी को उसका सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। साथ ही, हम हिंदी को केवल भावनाओं की भाषा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के स्वाभिमान और रोजगार की भाषा बनाने में अपना योगदान सुनिश्चित करेंगे।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय ज्ञान और भाषा के समन्वय से देश को सदैव नई दिशा देता रहेगा, यही मेरा अटूट विश्वास है।

आप सभी को पुनः हिंदी दिवस की शुभकामनाएं ,

जय हिंद! जय हिंदी!

संगीता श्रीवास्तव

(प्रो. संगीता श्रीवास्तव)

आवास / Residence :
18 / 22, क्लाइव रोड, सिविल लाइन्स, प्रयागराज-211001
18/22, Clive Road, Civil Lines, Prayagraj-211001

शिविर कार्यालय / Camp Office :
दूरभाष / Tele. : (0532) 2545020
: (0532) 2545733

मुख्य कार्यालय / Main Office :
दूरभाष / Tele. : (0532) 2461089, 2460063
ई-मेल / e-mail: vcoffice@allduniv.ac.in
vc@allduniv.ac.in